सामाजिक नियंत्रण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से समाज अपने सदस्यों के व्यवहार को नियंत्रित और निर्देशित करता है ताकि सामाजिक व्यवस्था, अनुशासन और एकरूपता बनी रहे। यह नियमों, मूल्यों और प्रतिबंधों की एक ऐसी व्यवस्था है जो व्यक्तियों को असामाजिक कार्यों से रोकती है।

सामाजिक नियंत्रण का अर्थ और परिभाषाअर्थ: इसका सीधा सा अर्थ है कि समाज लोगों को निर्धारित भूमिकाएं निभाने, नियमों का पालन करने और आपसी सहयोग बनाए रखने के लिए प्रेरित या बाध्य करता है।

परिभाषा (मैकाइवर एवं पेज): "सामाजिक नियंत्रण का अर्थ उस ढंग से है जिसके द्वारा संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था में एकता बनी रहती है।"

परिभाषा (ई.ए. रॉस): "सामाजिक नियंत्रण उपकरणों की एक प्रणाली है जिसके द्वारा समाज अपने सदस्यों के व्यवहारों को स्वीकृत मानकों के अनुरूप लाता है।"

सामाजिक नियंत्रण की विशेषताएं

1.यह एक सामाजिक प्रक्रिया है जो समाज की स्थापना के साथ ही अस्तित्व में आती है।

2.इसका मुख्य लक्ष्य सामाजिक व्यवस्था और स्थायित्व बनाए रखना है ।

3. यह समाज के सभी सदस्यों पर लागू होता है।

4.इसके साधन सकारात्मक (पुरस्कार, प्रशंसा) और नकारात्मक (दंड, निंदा) दोनों हो सकते हैं

5.यह एक व्यापक अवधारणा है जो हर युग और संस्कृति में अलग-अलग रूपों में पाई जाती है।

सामाजिक नियंत्रण के प्रकारसमाजशास्त्रियों ने इसे मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया है :

1.औपचारिक नियंत्रण (Formal Social Control)यह नियंत्रण सरकार, कानून और लिखित नियमों द्वारा लागू किया जाता हैं। इसमें नियमों का उल्लंघन करने पर निश्चित दंड का प्रावधान होता है।

उदाहरण: न्यायालय, पुलिस, सेना, संविधान और लिखित कानून।

2.अनौपचारिक नियंत्रण (Informal Social Control)यह नियंत्रण समाज की परंपराओं, रीति-रिवाजों, धर्म और नैतिकता पर आधारित होता है। यह अनायास ही व्यक्ति के मन में अच्छे-बुरे की समझ पैदा करता है।

3सकारात्मक और नकारात्मक नियंत्रण: अच्छे कार्यों के लिए पुरस्कार देना सकारात्मक है और नियमों के उल्लंघन के लिए दंड देना नकारात्मक है।

4.प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण: प्रत्यक्ष नियंत्रण परिवार और मित्रों द्वारा किया जाता है, जबकि अप्रत्यक्ष नियंत्रण विचारधाराओं और संस्थाओं द्वारा होता है।

Edit with WPS Office

निष्कर्ष (Conclusion)निष्कर्षत:, सामाजिक नियंत्रण किसी भी समाज की रीढ़ है। इसके बिना समाज में अराजकता और अव्यवस्था फैल सकती है। यह समाजीकरण की प्रक्रिया का ही एक भाग है जो व्यक्ति को एक स्वार्थी प्राणी से एक सामाजिक और उत्तरदायी नागरिक बनाता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची (Bibliography)

राम आहूजा (Ram Ahuja) - समाजशास्त्र: विवेचनात्मक अध्ययन, रावत पब्लिकेशंस।

टी.बी. बॉटोमोर (T.B. Bottomore) - समाजशास्त्र: एक परिचय और परिप्रेक्ष्य, ओरिएंट ब्लैकस्वान।

डॉ. कुमार कृष्ण - सामाजिक नियंत्रण और परिवर्तन, साहित्य भवन पब्लिकेशन।ई.ए. रॉस (E.A. Ross) - सोशल कंट्रोल (Social Control)

Edit with WPS Office